I wish they will continue to maintain their winning spree and bring many more laurels to the country.

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK (Goa): Sir, I want to compliment the Indian Army ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Shri Digvijay Singh.

SHRI TARLOCHAN SINGH (Haryana): Sir, I want to...

MR. CHAIRMAN: Shri C. Perumal.

[MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair].

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Apprehension over Pakistan's Nuclear Programme

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का और इस देश का ध्यान एक महत्वपूर्ण सवाल की ओर दिलाना चाहता हूं। दो दिनों से दुनिया के सभी अखबारों में यह छप रहा है कि हमारे बगल के पड़ौसी देश पाकिस्तान में, पचास न्यूक्लियर बम बनाने की ताकत और क्षमता एक रिएक्टर के बनाने से पैदा हो रही है। इस बात की चिंता न सिर्फ इस देश के वैज्ञानिकों में है, बल्कि दुनिया के सारे लोगों में है, जो शांति प्रेमी हैं। उनके मन में यह चिंता सता रही है। इसमें अमेरिका भी शामिल है और उसने स्वयं यह कहा है कि अमेरिका के पास इसकी जानकारी है कि पाकिस्तान इस तरह का रिएक्टर बना रहा है। महोदय, मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर खींचना चाहता हूं कि क्या ऐसी सूचना सरकार के पास है, अगर है तो जिस तरह का माहौल अभी मुम्बई ब्लॉस्ट के बाद बना हुआ है, क्या सरकार को यह मालूम है कि हम जिस तरह की परमाणु संधि, अमेरिका के साथ करने जा रहे हैं, जिस तरह से हमारे ऊपर सीमा लगाई जा रही है, क्या यह देश के हित में है और देश की सुरक्षा के लिए उचित है? मैं चाहता हूं कि सरकार इस पर, सख्त से सख्त अपनी राय जाहिर करे, ताकि देश और दुनिया के लोगों को यह विश्वास हो सके कि हमारा देश अपनी रक्षा करने में आत्मनिर्भर है।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, हमारे सदस्य श्री दिग्विजय सिंह जी ने जो यह प्रश्न उठाया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि इस समय जो अमेरिका और भारत के बीच नाभिकीय समझौते की वार्ता चल रही है, उसके संदर्भ में यह बहुत महत्व रखता है। क्योंकि एक तरफ तो हमारे सब प्रकार के परमाणु कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने की बात की जा रही है, जिस तरह के कानून अमेरिका की संसद में रखे गए हैं, उसके जो प्रभाव और

परिणाम देश पर हो रहे हैं, वे ऐसे हैं कि हमारी सारी नाभिकीय क्षमताएं बहुत काल के लिए समाप्त हो जाएंगी। दूसरी तरफ पाकिस्तान को यह सब करने की इजाजत दी जा रही है। अमेरिका की तरफ से उसके ऊपर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जा रहा है। यह बड़ी चिंता की बात है। यह जो एक प्रकार का डबल स्टैंडर्ड है, यह हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि हमको प्रतिबंधित किया जाए और पाकिस्तान को करने दिया जाए। अमेरिका भी कहता है कि हां, हमारे पास जानकारी है। यदि जानकारी है तो आप क्या कर रहे हैं? अमेरिका से इस बारे में सारी बातें करने के लिए, भारत सरकार क्या कदम उठा रही है?

दूसरी बात यह है कि इस परिप्रेक्ष्य में हमारा जो यह समझौता हो रहा है, इसके बारे में सरकार को क्या कहना है? इसको जारी रखना जरूरी है या इसको समाप्त करना चाहिए? इसमें तीसरी बात यह है कि पाकिस्तान जिस तरह का आतंकवाद फैला रहा है और वह परमाणु शक्ति से सम्पन्न हो रहा है तथा न्यूक्लियर टेररिज्म की बहुत ज्यादा संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं, इन सबको देखते हुए मैं सरकार की प्रतिक्रिया जानना चाहूंगा कि इस घटना पर, सारे दक्षिण एशिया को ही नहीं, बल्कि मध्य एशिया को और काफी दूर तक प्रभावित करती है। पाकिस्तान के पास इस प्रकार की क्षमता का होना, जिसमें वह चालीस से पचास बम बनाने के लिए, इतना प्लटोनियम पैदा करेगा, यह बहुत खतरनाक बात है। यह खतरनाक हमारे देश के लिए भी है, इस क्षेत्र के लिए भी है और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी है। मैं इस बारे में सरकार की प्रतिक्रिया जानना चाहूंगा।

SHRI YASHWANT SINHA (Jharkhand): Sir, is there any response from the Government? ...(*Interruptions*)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय पर अपनी चिंता व्यक्त करना चाहता हूं।

†[شری شاہد صدیقی "اتر پردیش" : سر، میں بھی اس وشئے پر اپنی چنتا ویکت کرنا چاہتا ہوں۔]

श्री उपसभापति: आप एसोसिएट कीजिए।

श्री शाहिद सिद्दिकी: इस संदर्भ में हम जो अमेरिका के साथ न्युक्लियर डील करने जा रहे हैं उससे हमारे हाथ-पैर बंध जायेंगे, लेकिन पाकिस्तान को पूरी आजादी मिल जाती है कि वह जितने चाहे न्युक्लीयर बम बनाये और जैसाकि वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट्स आई हैं, उनसे बड़ा स्पष्ट है कि हर साल 50 न्युक्लियर बम पाकिस्तान बना सकेगा। इससे पहले हमारे सामने चीन का सवाल था और हमारी जो न्युक्लियर सुरक्षा है, उसको खतरा पाकिस्तान से भी है और चीन से भी है। अब पाकिस्तान से जो बढ़ता हुआ खतरा होगा, इसके नतीजे में, हमें फिर से सोचना पड़ेगा कि हमें

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

अपनी न्युक्लियर सेक्योरिटी के बारे में इसे रि-एसेस करना होगा।...(**समय की घंटी**)... और कैसे अपनी न्युक्लियर सेक्योरिटी बनानी है, इस के बारे में, मैं सरकार से स्पष्ट जवाब चाहता हूं।

†[]**شری شاہد صدیقی** : اس سندربھہ میں ہم جو امریکہ کے ساتھہ نیوکلئیر ڈیل کرنے جا رہے ہیں اس سے ہمارے ہاتھہ پیر بندھہ جائیں گے، لیکن پاکستان کو پوری آزادی مل جاتی ہے کہ وہ جتنے چاہے نیوکلئیر بم بنائے اور جیسا کہ واشنگٹن پوسٹ کی رپورٹس آئی ہیں، ان سے بڑا اسپشٹ ہے کہ ہر سال 50 نیوکلئیر بم پاکستان بنا سکے گا۔ اس سے پہلے ہمارے سامنے چین کا سوال تھا اور ہماری جو نیوکلئیر سرکشا ہے، اس کو خطرہ پاکستان سے بھی ہے اور چین سے بھی ہے۔ اب پاکستان سے جو بڑھتا ہوا خطرہ ہوگا، اس کے نتیجے میں، ہمیں پھر سے سوچنا پڑے گا کہ ہمیں اپنی نیوکلئیر سیکورٹی کے بارے میں اسے ری-ایسیز کرنا ہوگا -(وقت کی گھنٹی)- اور کیسے اپنی نیوکلئیر سیکورٹی بنانی ہے، اس کے بارے میں، میں سرکار سے اسپشٹ جواب چاہتا ہوں۔[]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please associate only.

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): उपसभापति महोदय ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): उपसभापति महोदय, सरकार इस पर जवाब दे। ...(व्यवधान)...

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK (Goa): Sir, the whole world has congratulated the Army for rescuing the young boy ...(*Interruptions*)... The entire House has associated. ...(*Interruptions*)...

श्री मंगनी लाल मंडल: उपसभापति महोदय, दिग्विजय सिंह जी ने जो बात कही है, मैं उसका समर्थन करता हूं। ...(**व्यवधान**)... अमेरिका का जो मापदंड है, वह दोहरा मापदंड है। पाकिस्तान के न्युक्लियर बम के बारे में अमेरिका को जानकारी है। ...(**व्यवधान**)... इस मामले पर सरकार को उत्तर देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: उन्होंने कहा है अब ...(**व्यवधान**)... पचौरी जी, आप ...(**व्यवधान**)...

---

†[]Transliteration in Urdu Script.

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Sir, the entire House has associated. Why am I not allowed to speak? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: On what?

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Sir, the whole world has congratulated the Army for the manner in which the young boy was rescued ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That has already been discussed. ...(*Interruptions*)... We are discussing some other matter. ...(*Interruptions*)... We are discussing some other matter. ...(*Interruptions*)...

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Sir, I have given notice.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your have given notice. ...(*Interruptions*)... Mr. Naik, Please sit down. We are discussing some other matter but you are raising another one which has not been allowed. ...(*Interruptions*)...

श्री दिग्विजय सिंह: सर, डिफेंस मिनिस्टर साहब जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: सुरेश पचौरी जी। ...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, most respectfully, I would like to submit that it has never been the practice that the Minister will give instant reaction or a response like that. This is a matter which requires serious discussions, if you want to have, and it cannot be like instant coffee, instant reaction. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAY SINGH: Sir, was it not an instant reaction yesterday when the Parliamentary Affairs Minister gave the statement? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is all ...(*Interruptions*)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: Sir, this is not fair. ...(*Interruptions*)... This is an insult to the House.

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, the Minister should respond. ...(*Interruptions*)...

श्री मंगनी लाल मंडल: उपसभापति महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है। वह 50-60 बम सालाना बनायेंगे। ...(**व्यवधान**)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): You have to give a notice. ...(*Interruptions*)... You have to give a notice. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): सर, दो दिन से अखबार में आ रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप वापस जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप जाइये। ...(**व्यवधान**)...

आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... क्या करना है? ...(**व्यवधान**)... श्री सुरेश पचौरी जी, आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... आप वापस जाइये। ...(**व्यवधान**)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Let him give a notice. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Suresh Pachouri is going to reply. ...(*Interruptions*)... मंत्री जी रेसपांस करेंगे। ...(**व्यवधान**)... आप वापस जाइये। ...(**व्यवधान**)... पचौरी जी रेसपांस करेंगे। ...(**व्यवधान**)... The Parliamentary Affairs Minister will reply. ...(*Interruptions*)... He will respond. ...(*Interruptions*)... Mr. Suresh Pachouri will respond. ...(*Interruptions*)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): श्री उपसभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is reponding. ...(*Interruptions*)... He is responding. ...(*Interruptions*)... Just listen to him. ...(*Interruptions*)... Let us hear him. ...(*Interruptions*)... Let us hear him. ...(*Interruptions*)... Let us listen to him. ...(*Interruptions*)... The Parliamentary Affairs Minister wants to respond. ...(*Interruptions*)... Whatever you want to say, you go and say from your seats. ...(*Interruptions*)... आप वापस जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप किसी की बात नहीं सुनेंगे। ...(**व्यवधान**)... The Parliamentary Affairs Minister would like to respond. ...(*Interruptions*)... In fact, I asked Mr. Suresh Pachouri, not Mr. Pranab Mukherjee. ...(*Interruptions*)... I called Mr. Suresh Pachouri. ...(*Interruptions*)...

The House stands adjourned till 12.45 P.M.

The House then adjourned at fourteen minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at forty-five minutes past twelve of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, मैं यह निवेदन करना चाहती हूं कि ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर से बाद में बात करेंगे। ...(व्यवधान)...

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand): Sir, ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 2.00 P.M.

The House then adjourned at fourty-six minutes past twelve of the clock.

The House met at one minute past, two of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MR. CHAIRMAN: The Leader of the Opposition.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Sir, I am to make a submission and also an appeal. The submission is, of course, to the entire House and the appeal that I make is to the hon. Defence Minister. Sir, perhaps he has been in this House for the longest period. And he was the Leader of the House when I first came in this House. It was long back. It is no one's intention to cause any hurt to anybody. I won't go into the context of the question that was raised and the circumstances. But, the response thereafter from the Government disappointed the hon. Members who had raised it. I would request the hon. Defence Minister, the Leader of the other House, to assure the House that no offence was meant. For somebody who has been in this House for so many years, I have no doubt and I don't think he intended the offence. I believe that the discussions that we are to hold on the bomb blasts is such an important discussion, not that the question that was raised by Dr. Joshi is not important or vital. But we must hold this discussion. I appeal, therefore, to Shri Pranab Babu if he could do the needful.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, with your permission, first of all, most respectfully, I would like to submit that it has never been my intention and it will never be my intention to convey any sense of disrespect to this House of which I am the product. It is not today—just in this very month in 1969, I entered into this House—it has been so many years. I am perhaps one of the Members, to be present in the House throughout. When I was a private Member, from 11 a.m. in the morning till the House was adjourned, if anybody was present in the House, it was me. And I

always consider myself as the product of Rajya Sabha. Whatever I am today is the contribution of the Rajya Sabha. I thought that I should speak in a humorous manner and said like instant coffee, for an instant reaction, the matter is too serious and it requires structured response from the Government, it has very wider clarifications. That is the sense I wanted to convey, but perhaps, as the hon. Leader of the Opposition said, the situation is so surcharged. And it was in the context of so many serious developments that are taking place that perhaps my humour could not be caught. But, if anybody is hurt because of my observations, although I never meant it, I am sincerely sorry for it. Even when I was late, I got a compliment from Mr. Ahluwalia. I was just late by a fraction of a minute, but immediately, I got up and apologised that I did not reach the House in time. So, I do feel that any of my colleagues will not have any hurt feeling for that and I most respectfully submit that the House should resume its normal business. Thank you, Mr. Chairman, Sir, and I also thank the Leader of the Opposition for giving me this opportunity.

MR. CHAIRMAN: Now, we take up the Short Duration Discussion on the increasing incidents of terrorist violence in the country, particularly in the context of recent bomb blasts in Mumbai ...(*Interruptions*)...

SHRI ARUN SHOURIE (Uttar Pradesh): Sir, I am on a point of order.

MR. CHAIRMAN: Please leave this matter.

SHRI ARUN SHOURIE: Sir, I am not on that matter. I am on a different point. Sir, an important point Shri Pranab Mukherjee has made about the disclosure that have come about Pakistan's nuclear capability, and I am sure, that in view of what importance you attach to the subject, you will respond to that concern that was expressed.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: It will be a structured response.

SHRI ARUN SHOURIE: Sir, we all want that.

MR. CHAIRMAN: Shri Manohar Joshi. I am sorry. Dr. Murli Manohar Joshi. You decide between yourselves.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Sir, it does not matter, which of the Manohar Joshi's speak.